[श्री स० मो० बनर्जी]

पर मान लिया । अगर वहीं मान लेते तो रिश्ते खराब न होते ।

श्री दिनेश सिंह : ऐसी बात नहीं है ।

श्री बेणी शंकर शर्मा (बांका) : अभी हमारे मित्रों ने जो प्रश्न किये और मंत्री महोदय ने जो जवाब दिये उनसे मुझे एक शायर का वह शेर याद आ जाता है जिसमें उसने गत महायुद्ध के दौरान कहा था :

"कदम जर्मन के बढ़ते हैं, फतह इंग्लिश की होती है ।"

आज हमारे यहां नेपाल के साथ ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक सम्बन्धों के सुधार की चर्चायें तो बहुत की जा रही हैं । किन्तु आज हम देख रहे हैं कि हर एक वी० आई० पी० के नेपाल जाने के बाद भारत और नेपाल के सम्बन्ध बदतर ही होते जा रहे हैं । मैं मंत्री महोदय का ध्यान अपने द्वारा 11 दिसम्बर, 1968 को दिये हुए एक काल अटेंशन की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं । उसके पहले नवम्बर मास में हमारे स्वर्गीय राष्ट्रपति, डा० जाकिर हुसैन साहब वहां गये थे और उसके बाद श्री बली राम भगत भी गये थे । ठीक उसके बाद ही सुस्ता काण्ड हुआ था जिस ने यहां के लोगों को हिला दिया था । उस वक्त भी मेरे प्रश्न के जवाब में यही कहा गया था कि हमारे सम्बन्ध हैं और अच्छे होते जा रहे हैं । अभी श्री दिनेश सिंह जी वहां हो आये हैं । उनके बयान से तो ऐसा मालूम हुआ था कि वे एक बहुत बड़ा काम करके आये हैं, बड़ा भारी शिकार करके आये हैं, किन्तु जब वहां के पत्रों को देखते हैं तो मालूम पड़ता है.....

MR. DEPUTY-SPEAKER : I may point out that the question must relate to the subject-matter of the main notice which relates only to military mission.

श्री बेणी शंकर शर्मा : मैं मंत्री महोदय से केवल यही पूछना चाहता हूं कि नेपाल में उन्होंने जो चर्चा की उसके दौरान 1950 की नेपाल मैत्री संधि के सम्बन्ध में तथा 1965 में भारत और नेपाल के बीच में नेपाल में शस्त्रास्त्रों के आयात के सम्बन्ध में जो ऐग्रीमेंट हुआ था उसके बारे में भी कुछ बातें हुई या नहीं ?

दूसरी बात यह कि नेपाल के वर्तमान प्रधान मंत्री की शिकायत यह है कि जहां उन्होंने कोसी और गंडक योजनायें बनाने में भारत सरकार को हर तरह से सहायता दी वहां करनाली हाइडेल प्रोजेक्ट में भारत ने नेपाल का कोई हाथ नहीं बटाया । मैं जानना चाहता हूं कि इसके बारे में उनके बीच कोई चर्चा हुई थी या नहीं, और हुई थी तो क्या परिणाम निकला ?

श्री दिनेश सिंह : जहां तक करनाली का सम्बन्ध है, करनाली आयोजन में मदद करने में हम को कोई कठिनाई नहीं है । हम अभी उस स्कीम की जांच करना चाहते हैं कि क्या वह बन सकेगी, क्या वह उनके लिये फायदेमन्द होगी, क्या वह बिजली ऐसे दामों पर बना सकेगी जिसको हम ले सकेंगे या नहीं । यह जांच हो जाने के बाद तय होगा कि उस में हम क्या मदद कर सकते हैं ।

12.29 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Report of Industrial Licensing Policy Inquiry Committee

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : I beg to lay on the Table a copy of the Report of the Industrial Licensing Policy Inquiry Committee. [*Placed in Library. See* No LT—1232/69.]

Proclamation in Relation to the State of Bihar

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI Y. B. CHAVAN): I beg to lay on the Table:

(1) (i) A copy of the Proclamation dated the 4th July, 1969 issued by the Vice-President acting as President